RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
जनवरी
29
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

Wetland
Network
BOARD
UNIFORM
CIVIL
CODE

By Ankit Avasthi Sir

इंदौर और उदयपुर यूनेस्को के वेटलैंड सिटी में शामिल / Indore and Udaipur included in UNESCO's Wetland City

संदर्भ:

इंदौर और उदयपुर ने भारत के पहले दो शहरों के रूप में रामसर कन्वेंशन ऑन वेटलैंड्स के तहत मान्यता प्राप्त वेटलैंड सिटी की वैश्विक सूची में शामिल होने वाले भारतीय शहर बन गए हैं।

प्रमुख बिंदु:

इंदौर और उदयपुर की मान्यता:

- **रामसर कन्वेंशन ऑन वेटलैंड्स** के तहत मान्यता प्राप्त भारत के **पहले शहर** बने।
- दोनों शहरों को **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF&CC)** द्वारा नामित किया गया।

इंदौर और उदयपुर के वेटलैंड्स:

- **इंदौर:**
  - **सिरपुर झील**:
    - रामसर साइट के रूप में मान्यता प्राप्त।
    - **जल पक्षी संगम क्षेत्र** के रूप में महत्वपूर्ण।
    - पक्षी अभयारण्य के रूप में विकसित किया जा रहा है।
- **उदयपुर:**
  - **पांच प्रमुख वेटलैंड्स**:
    - **पिछोला, फतेहसागर, रंगसागर, स्वरूपसागर**, और **दूध तलाई**।
    - शहर की **संस्कृति, पहचान**, और **माइक्रोक्लाइमेट विनियमन** में महत्वपूर्ण योगदान।

इंदौर और उदयपुर क्यों चुने गए?

इंदौर:

- **स्वच्छ भारत अभियान** में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रसिद्ध।
- जल निकायों के **संरक्षण और पुनर्वास** के लिए कई पहल की गईं।

उदयपुर:

- **झीलों की नगरी** के रूप में प्रसिद्ध।
- झीलों के संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान।
- पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक तकनीक का उपयोग कर झीलों का **पुनर्जीवन** किया गया

वेटलैंड सिटी:

- **परिभाषा:**
  वेटलैंड सिटी वे शहर हैं जो अपने **जल संसाधनों, झीलों और आर्द्रभूमियों के संरक्षण** और समग्र प्रबंधन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं।
- **महत्व:**
  ये शहर शहरी विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच **सामंजस्य** का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

यूनेस्को और वेटलैंड सिटी मान्यता:

- **शुरुआत:**
  यूनेस्को ने 2015 में **रामसर कन्वेंशन की 12वीं कांफ्रेंस ऑफ पार्टीज** में वेटलैंड सिटी मान्यता कार्यक्रम की शुरुआत की।
- **उद्देश्य:**
  - उन शहरों को **सम्मान** और **स्वीकार्यता** प्रदान करना जो अपने **संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र** के संरक्षण के प्रति प्रतिबद्ध हैं।
  - प्राकृतिक जलस्रोतों और नम भूमि के संरक्षण हेतु **सकारात्मक प्रयासों** को प्रोत्साहित करना।

संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (UNESCO):

- **परिचय:** यह संयुक्त राष्ट्र (UN) की एक **विशेष एजेंसी** है।
- **स्थापना:** 16 नवंबर, 1945।
- **उद्देश्य:** शिक्षा, विज्ञान और संस्कृति के माध्यम से देशों के बीच आपसी **समझ और सहयोग** को मजबूत करना।
- **मुख्यालय:** पेरिस, फ्रांस।

यूनेस्को का रामसर सम्मेलन:

- **परिचय:** यह एक **अंतरराष्ट्रीय संधि** है जो आर्द्रभूमियों के संरक्षण और उनके विवेकपूर्ण इस्तेमाल पर केंद्रित है।
- **स्थापना:** वर्ष 1971 में ईरान के **रामसर शहर** में।
- **उद्देश्य:**
  आर्द्रभूमियों का **संरक्षण** और उनका **सतत उपयोग** सुनिश्चित करना।
- **प्रभावी तिथि:** दिसंबर 1975।
- **भारत की भागीदारी:** भारत ने **1 फरवरी, 1982** को इस पर हस्ताक्षर किए।
- **आर्द्रभूमि दिवस:** प्रत्येक वर्ष **2 फरवरी** को दुनिया भर में आर्द्रभूमि दिवस मनाया जाता है।

JPC ने वक्फ संशोधन विधेयक को मंजूरी दी / JPC approves Wakf Amendment Bill

संदर्भ:

वक्फ संशोधन विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति (JPC) ने **छह महीने की चर्चा के बाद 14 संशोधनों** के साथ मसौदे को मंजूरी दे दी।

वक्फ अधिनियम में संशोधन:

1. **वक्फ पैनल में गैर-मुस्लिम सदस्य:**
    - वक्फ पैनल के दो सदस्य हिंदू या अन्य धर्म के हो सकते हैं।
    - क्लॉज 11 के अनुसार, **पदेन सदस्य** (चाहे वह मुस्लिम हो या न हो) को गैर-मुस्लिम सदस्यों की गिनती से बाहर रखा जाएगा।
2. **वक्फ को संपत्ति दान करने की पात्रता:**
    - क्लॉज 14 के अनुसार, कोई व्यक्ति वक्फ को संपत्ति तभी दान कर सकता है यदि:
        - वह **पांच वर्षों तक इस्लाम का पालन करता रहा हो**।
        - संपत्ति किसी भी **धोखाधड़ी या विवाद से मुक्त हो**।
3. **वक्फ ट्रिब्यूनल की संरचना में बदलाव:**
    - अब वक्फ ट्रिब्यूनल में **दो के बजाय तीन सदस्य** होंगे।
    - तीसरा सदस्य **इस्लामिक विद्वान** होगा।
4. **वक्फ संपत्ति की निगरानी:**
    - वक्फ संपत्तियों की निगरानी और निरीक्षण का अधिकार अब **राज्य सरकार द्वारा नियुक्त किसी भी अधिकारी** को होगा।
    - पहले यह अधिकार केवल **सर्वेक्षण करने वाले कलेक्टर** के पास था।
5. **भूमि विवादों पर अपील:**
    - **नए बिल के अनुसार**, जमीन पर दावा करने वाला अब **ट्रिब्यूनल के अलावा राजस्व कोर्ट, सिविल कोर्ट या हाईकोर्ट में भी अपील कर सकता है**।
6. **वक्फ ट्रिब्यूनल के फैसलों की अपील:**
    - अब **वक्फ ट्रिब्यूनल के फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की जा सकती है**।

वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024:

1. **विधेयक का परिचय:**
    - **8 अगस्त, 2024** को लोकसभा में **वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024** और **मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक, 2024** पेश किए गए।
    - इनका उद्देश्य वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को सुधारना और प्रशासनिक समस्याओं को हल करना है।
    - प्रमुख संशोधन:
        - वक्फ बोर्ड और ट्रिब्यूनल की गवर्नेंस को राज्य सरकारों के तहत स्थानांतरित करना।
        - वक्फ सिस्टम में प्रशासनिक नियंत्रण को केंद्रीकृत करना।
2. **विधेयक का महत्व:**
    - **पारदर्शिता और जवाबदेही:**
        - वक्फ संपत्तियों के दुरुपयोग और कुप्रबंधन को रोकने के लिए निगरानी और नियमन को मजबूत करता है।
    - **प्रशासनिक प्रक्रियाओं का सरलीकरण:**
        - प्रक्रियाओं को अद्यतन करना और तकनीक का उपयोग कर रिकॉर्ड-कीपिंग में सुधार करना।
    - **संपत्तियों की सुरक्षा:**
        - अतिक्रमण और अवैध हस्तांतरण को रोकने के लिए सख्त दंड और वक्फ बोर्ड की शक्तियों में वृद्धि।
    - **समावेशन और विविधता:**
        - वक्फ बोर्ड में **महिलाओं और गैर-मुस्लिमों** की अनिवार्य भागीदारी, जिससे सामुदायिक प्रतिनिधित्व बढ़े।
    - **ऐतिहासिक समस्याओं का समाधान:**
        - भ्रष्टाचार और वक्फ संपत्तियों के कुप्रबंधन को दूर करने के लिए नए नियम लागू करना।

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

समान नागरिक संहिता / Uniform Civil Code

संदर्भ:

उत्तराखंड, समान नागरिक संहिता (Uniform Civil Code - UCC) लागू करने वाला पहला राज्य बन गया है।

मुख्य बिन्दु:

- समान नागरिक संहिता उत्तराखंड- 2024 को लागू किए जाने पर नियमावली और पोर्टल, **ucc.uk.gov.in** लॉन्च किया गया ।
- अब से राज्य में **27 जनवरी का दिन समान नागरिकता दिवस** के रूप में मनाया जाएगा।
- उत्तराखंड आजादी के बाद यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने वाला **देश का पहला राज्य बन** गया है।

नोट: गोवा में पहले से ही UCC लागू है, लेकिन वहां इसे **पुर्तगाली सिविल कोड** के तहत लागू किया गया था।

समान नागरिक संहिता
उत्तराखण्ड, 2024
समानता द्वारा समरसता
समान नागरिक संहिता
उत्तराखण्ड, 2024

यूनिफॉर्म सिविल कोड (UCC) के बारे में:

1. **परिभाषा:** यूनिफॉर्म सिविल कोड (UCC) एक ऐसा कानून है जो पूरे देश में सभी धार्मिक समुदायों पर लागू होता है। यह विवाह, तलाक, विरासत, गोद लेने आदि जैसे व्यक्तिगत मामलों में समान नियमों का पालन कराता है।
2. **वर्तमान स्थिति:**
    - भारत में विभिन्न धार्मिक समुदायों के लिए अलग-अलग व्यक्तिगत कानून हैं, जो व्यक्तिगत रिश्तों और संबंधित मामलों को नियंत्रित करते हैं।
3. **UCC का उद्देश्य:** यह उद्देश्य है कि एक समान कानून पूरे देश में लागू हो, जिससे समाज में समानता और न्याय सुनिश्चित हो सके।

संविधान में यूनिफॉर्म सिविल कोड (UCC):

1. **धारा 44:** भारतीय संविधान की धारा 44 में यह प्रावधान है कि राज्य पूरे भारत में नागरिकों के लिए यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने का प्रयास करेगा।
2. **निर्देशात्मक सिद्धांत:** धारा 44 संविधान के भाग-IV में उल्लिखित Directive Principles (निर्देशात्मक सिद्धांत) का हिस्सा है।
3. **न्यायिकता:** इन सिद्धांतों को धारा 37 में परिभाषित किया गया है कि ये न्यायिक रूप से लागू नहीं होते (किसी भी अदालत द्वारा प्रवर्तन योग्य नहीं होते)।
4. **महत्व:** हालांकि ये सिद्धांत न्यायिक रूप से लागू नहीं होते, फिर भी इनमें जो सिद्धांत निहित हैं, वे शासन के लिए मौलिक होते हैं।
5. **राज्य के लिए मार्गदर्शन:** ये सिद्धांत राज्य के लिए उन आदर्शों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिन्हें राज्य को नीति निर्माण और कानूनों के निर्माण में ध्यान में रखना चाहिए।

UCC की आवश्यकता:

1. **लिंग समानता:** विवाह, तलाक आदि से संबंधित कानून अक्सर महिलाओं के खिलाफ भेदभाव करते हैं।
2. **सामाजिक एकता**: भारत के कानूनी व्यवस्था में धार्मिक और जातीय विविधता सामाजिक विभाजन उत्पन्न कर सकती है।
3. **भारतीय समाज का सुधार:** समाज में विश्वास और आस्था के नाम पर प्रचलित कई अंधविश्वासी और अत्यधिक रूढ़िवादी प्रथाओं का मुकाबला करना आवश्यक है।

UCC को लागू करने में प्रमुख चुनौतियाँ:

1. **व्यक्तिगत अधिकार और राज्य हस्तक्षेप के बीच संतुलन बनाए रखना:** धारा 25 धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी देती है, जबकि 5वीं और 6वीं अनुसूची जनजातीय रीति-रिवाजों और विश्वासों की सुरक्षा करती है।
2. **धार्मिक समूहों और नेताओं का विरोध:** उनका कहना है कि यह उनके धार्मिक कानूनों और रीति-रिवाजों में हस्तक्षेप कर सकता है, जिससे सामाजिक और राजनीतिक तनाव उत्पन्न हो सकता है।

विदेशी मुद्रा भंडार 11 महीने के निचले स्तर पर पहुंचा / forex reserves touch 11-month low

संदर्भ:

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 17 जनवरी को समाप्त सप्ताह के दौरान घटकर **11 महीनों के निचले स्तर $623 बिलियन** पर पहुंच गया।

मुख्य बिंदु:

1. **विदेशी मुद्रा भंडार में कमी:**
   - 1.9 अरब डॉलर की कमी आई है विदेशी मुद्रा भंडार में, जो कि गैर-डॉलर संपत्तियों के पुनर्मूल्यांकन और केंद्रीय बैंक द्वारा डॉलर की मांग को पूरा करने के लिए डॉलर की बिक्री के कारण हुई।
2. **विदेशी मुद्रा और सोने का मूल्य:**
   - विदेशी मुद्रा संपत्तियों में 2.9 अरब डॉलर की गिरावट आई, जबकि सोने का मूल्य 1 अरब डॉलर बढ़ा।
3. **सोने का महत्व:**
   - इस वित्तीय वर्ष में विदेशी मुद्रा भंडार की स्थिरता बनाए रखने में सोने का महत्वपूर्ण योगदान रहा है, क्योंकि विदेशी मुद्रा संपत्तियाँ गिर रही हैं।
4. **निचले स्तर पर विदेशी मुद्रा भंडार:**
   - विदेशी मुद्रा भंडार का वर्तमान स्तर फरवरी 23, 2024 से कम है, जब यह 619 अरब डॉलर था।
5. **कुल गिरावट:**
   - 27 सितंबर 2024 को 705 अरब डॉलर के शिखर से भारत का विदेशी मुद्रा भंडार अब 82 अरब डॉलर घट चुका है।

विदेशी मुद्रा भंडार (Forex Reserves):

1. **परिभाषा:** विदेशी मुद्रा भंडार (Forex Reserves) वह आरक्षित संपत्तियाँ हैं जो केंद्रीय बैंक विदेशी मुद्राओं में रखते हैं।
2. **इसमें क्या शामिल है:**
   - विदेशी मुद्राएँ, बॉंड, ट्रेजरी बिल्स और अन्य सरकारी प्रतिभूतियाँ शामिल होती हैं।
3. **कानूनी ढांचा:**
   - भारत में, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया एक्ट 1934 के तहत RBI को Forex Reserves का संरक्षक (Custodian) नियुक्त किया गया है।

4. विदेशी मुद्रा भंडार का संघटन:

- भारत का विदेशी मुद्रा भंडार निम्नलिखित से बना है:
  - **विदेशी मुद्रा संपत्तियाँ (FCAs)**: जैसे US डॉलर, यूरो, पाउंड स्टर्लिंग, ऑस्ट्रेलियाई डॉलर और जापानी येन में रखी जाती हैं।
  - **सोना**: RBI के पास Forex Reserves के रूप में रखा जाता है।
  - **SDR (Special Drawing Rights)**: यह IMF के पास रखी जाने वाली रिजर्व मुद्रा है।
  - **RTP (Reserve Tranche Position)**: यह IMF के पास रखी जाने वाली रिजर्व पूंजी है।

5. प्रमुख योगदानकर्ता:

- भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में सबसे बड़ा योगदान विदेशी मुद्रा संपत्तियों का है, इसके बाद सोने का स्थान है।

विदेशी मुद्रा भंडार (Forex Reserves) का महत्व/आवश्यकता:

1. **संकट प्रबंधन:** संकट के समय में बाहरी जोखिमों को सीमित करना, ताकि विदेशी मुद्रा तरलता बनाए रखी जा सके और संकट के दौरान झटकों को सहन किया जा सके।
2. **वित्तीय दायित्वों को पूरा करना:** विदेशी मुद्रा भंडार कर्ज चुकाने और आयातों को वित्तपोषित करने में मदद करता है।
3. **निवेशकों का भरोसा:** बाजारों, विशेष रूप से क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों को यह विश्वास दिलाना कि बाहरी दायित्वों को हमेशा पूरा किया जा सकता है।
4. **अन्य कारण:** विदेशी मुद्रा बाजारों में हस्तक्षेप करने की क्षमता को बढ़ाना आदि।

Apni Pathshala एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

भारत चीन सीधी उड़ान और आर्थिक और व्यापारिक संबंधों में मजबूती / India-China direct flights and strengthening of economic and trade relations

संदर्भ:

भारत और चीन ने लगभग **पांच वर्षों** के बाद दोनों देशों के बीच **सीधी हवाई सेवाएं** फिर से शुरू करने पर सहमति जताई है।

- कोरोना वायरस और उसके बाद की राजनीतिक तनावों के कारण ये सेवाएं बंद हो गई थीं।

मुख्य समझौते और पहलों:

1. **कैलाश मानसरोवर यात्रा का पुन: आरंभ:**
   - 2025 की गर्मी में यह तीर्थ यात्रा शुरू की जाएगी, जो भारतीय भक्तों के लिए सांस्कृतिक और धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।
2. **सीधी उड़ानें और वीज़ा सेवाएँ:**
   - दोनों देशों ने प्रमुख शहरों के बीच हवाई कनेक्टिविटी को बहाल करने और मीडिया, थिंक टैंक और व्यापार प्रतिनिधियों के लिए वीज़ा सुविधा प्रदान करने का संकल्प लिया।
3. **जलवायु डेटा साझा करना:**
   - भारत-चीन विशेषज्ञ स्तर के तंत्र के तहत संवाद फिर से शुरू किए जाएंगे, जिसमें सीमा पार नदियों पर जलवायु डेटा साझा करने पर चर्चा की जाएगी, जो जल प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण है।

भारत-चीन के राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ (2025):

1. **संस्कृतिक कार्यक्रम:**
   - भारत और चीन 2025 में अपने राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करेंगे।
2. **मीडिया आदान-प्रदान:**
   - दोनों देशों के बीच मीडिया आदान-प्रदान की पहल की जाएगी।
3. **शैक्षिक सहयोग:**
   - शैक्षिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों और परियोजनाओं की योजना बनाई जाएगी।
4. **लक्ष्य:**
   - ये पहलें आपसी विश्वास को बहाल करने और नागरिकों के बीच गहरी समझ को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की जा रही हैं।

आर्थिक और व्यापारिक संबंधों पर ध्यान केंद्रित:

1. **व्यापारिक वॉल्यूम:** 2023 में व्यापारिक वॉल्यूम $125 बिलियन से अधिक होने के बावजूद, दोनों देशों के बीच तनाव बरकरार हैं।
2. **भारत की चिंताएँ:** भारत ने चीन के फार्मास्यूटिकल और उच्च-प्रौद्योगिकी निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंधों को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की।
3. **चीन की चिंताएँ:** चीन ने भारत की निवेश नीतियों और चीनी व्यवसायों के लिए नियामक बाधाओं को लेकर मुद्दे उठाए।
4. **संयुक्त बयान:** एक संयुक्त बयान में दीर्घकालिक नीति पारदर्शिता और आर्थिक तथा व्यापारिक संबंधों में भविष्यवाणी की आवश्यकता पर जोर दिया गया।
5. **लक्ष्य:** इन चिंताओं का समाधान करके, दोनों देश अधिक संतुलित व्यापारिक साझेदारी को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखते हैं।

द्विपक्षीय संबंधों में चुनौतियाँ:

1. **सीमा मुद्दे:**
   - LAC (लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल) विवाद और अनसुलझे डी-एस्केलेशन उपाय संबंधों में तनाव बनाए रखते हैं।
2. **रणनीतिक अविश्वास:**
   - ऐतिहासिक तनाव और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मक भूराजनीतिक हित आपसी संदेह को बढ़ावा देते हैं।
3. **आर्थिक अवरोध:**
   - व्यापारिक असंतुलन और संरक्षणवादी नीतियाँ निर्बाध आर्थिक सहयोग में रुकावट डालती हैं।

सेबी ने म्यूचुअल फंडों के सैचेटाइजेशन का प्रस्ताव रखा / SEBI proposes Sachetisation of Mutual Funds

संदर्भ:

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने म्यूचुअल फंड निवेशों को छोटे निवेशकों के लिए अधिक सुलभ और किफायती बनाने के लिए "सैचेटाइजेशन" (**Sachetisation**) की अवधारणा को बढ़ावा देने का प्रस्ताव पेश किया है।

सैचेटाइजेशन क्या है?

1. **परिभाषा:**
    - सैचेटाइजेशन का मतलब है वित्ती**य उत्पादों और सेवाओं को छोटे और अधिक किफायती पैकेजों** में उपलब्ध कराना, जिससे इन्हें आसानी से उपयोग और प्रबंधित किया जा सके।
2. **वित्तीय क्षेत्र में सैचेटाइजेशन:**
    - SEBI ने म्यूचुअल फंड्स के लिए इसी दृष्टिकोण का प्रस्ताव रखा है, जिसमें छोटे-छोटे निवेशों को SIPs (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान्स) के माध्यम से संभव बनाया जाएगा, जैसे कि **मासिक ₹250 की न्यूनतम** राशि से।
3. **उद्देश्य:**
    - **वित्तीय समावेशन** को बढ़ावा देना।
    - निम्न-आय वर्ग के निवेशकों के बीच म्यूचुअल फंड्स में भागीदारी को प्रोत्साहित करना।
    - अर्थव्यवस्था के उपेक्षित वर्गों को वित्तीय रूप से सशक्त बनाना।
    - फंड हाउसों को ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के लिए प्रेरित करना।

SEBI का सैचेटाइजेशन प्रस्ताव:

1. **प्रस्ताव का विवरण:** SEBI ने ₹250 की छोटी राशि वाले SIP (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के रूप में सैचेटाइज्ड म्यूचुअल फंड उत्पाद लॉन्च करने का सुझाव दिया है।
2. **पात्रता मानदंड:**
    - केवल नए निवेशकों के लिए उपलब्ध।
    - निवेशक विभिन्न एसेट मैनेजमेंट कंपनियों (AMCs) में अधिकतम 3 छोटे SIP शुरू कर सकते हैं।
3. **फीस और प्रोत्साहन:** इंटरमीडियरीज द्वारा रियायती फीस और प्रोत्साहन प्रदान किए जाएंगे।
4. **भुगतान का तरीका:** भुगतान केवल ऑटो-पे मोड (NACH और UPI) के माध्यम से किया जाएगा।
5. **सब्सिडी:** AMCs द्वारा वहन की जाने वाली लागत को SEBI के **निवेशक शिक्षा और जागरूकता कोष** (Investor Education and Awareness Fund) के माध्यम से सब्सिडी दी जाएगी।
6. **प्रोत्साहन:** नए निवेशकों के लिए 24 SIP किस्तें पूरी करने पर डिस्ट्रीब्यूटर्स और प्लेटफॉर्म्स को ₹500 का प्रोत्साहन दिया जाएगा, जिससे आउटरीच प्रयासों को बढ़ावा मिलेगा।
7. **अपवाद योजनाएँ: डेट स्कीम**, सेक्टोरल, थीमैटिक, स्मॉल-कैप और मिड-कैप इक्विटी फंड्स (उनकी अस्थिरता के कारण) इसमें शामिल नहीं होंगे।
8. **प्रतिबद्धता अवधि:** निवेशकों को 5 वर्षों (60 किस्तों) के लिए प्रतिबद्ध होने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, लेकिन पूर्व-परिपक्व निकासी की अनुमति होगी।

सैचेटाइजेशन के महत्व

1. **सस्ते वित्तीय उत्पाद:** छोटे-छोटे निवेश (सैचेट) से म्यूचुअल फंड कम आय वर्ग के लोगों के लिए अधिक सुलभ और किफायती बनेंगे।
2. **वित्तीय सशक्तिकरण:** निवेश की न्यूनतम सीमा कम होने से कम आय वर्ग और underserved समुदाय वित्तीय बाजारों में भाग ले सकेंगे।
3. **दूरदराज़ क्षेत्रों तक पहुंच:** म्यूचुअल फंड कंपनियां इस योजना के माध्यम से ग्रामीण और कम आय वाले क्षेत्रों में अपनी सेवाएं पहुंचाने की दिशा में काम करेंगी। इससे बचत और निवेश की संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा।
4. **वित्तीय समावेशन:** मुख्य उद्देश्य समाज के उन वर्गों को वित्तीय सेवाओं से जोड़ना है, जिनके पास पारंपरिक निवेश उत्पादों तक पहुंच नहीं है। छोटे और नियमित निवेश विकल्प से वित्तीय समावेशन को बढ़ावा दिया जाएगा।

Apni Pathshala
एक कदम उज्जवल भविष्य की ओर

माइक्रोप्लास्टिक्स: चूहों के मस्तिष्क में रक्त प्रवाह में अवरोध / Microplastics: Block blood flow in the brain of rats

संदर्भ:

हाल ही में हुए एक अध्ययन में पाया गया है कि **माइक्रोप्लास्टिक्स**, जो 5 मिमी से छोटे प्लास्टिक कण होते हैं, **चूहों के मस्तिष्क में रक्त प्रवाह को अवरुद्ध** कर सकते हैं। यह मस्तिष्क स्वास्थ्य पर इनके संभावित प्रभाव को लेकर चिंता बढ़ाता है।

सूक्ष्मप्लास्टिक (Microplastics) क्या हैं?

1. **परिभाषा:** सूक्ष्मप्लास्टिक छोटे-छोटे प्लास्टिक के टुकड़े होते हैं, जो पर्यावरण में पाए जाते हैं।
2. **उत्पत्ति:** ये बड़े प्लास्टिक वस्तुओं के टूटने और विघटन के कारण उत्पन्न होते हैं, साथ ही छोटे प्लास्टिक कणों के सीधे रिलीज़ होने से, जो अक्सर उपभोक्ता उत्पादों जैसे सौंदर्य प्रसाधन और सफाई एजेंट्स में जानबूझकर डाले जाते हैं।
3. **नामकरण:** इसका नाम "मैक्रोप्लास्टिक" से अलग करने के लिए रखा गया है, जैसे प्लास्टिक की बोतलें और बैग।
4. **आकार का निर्धारण:**
    - ○ इस पर कोई सार्वभौमिक सहमति नहीं है कि सूक्ष्मप्लास्टिक का आकार कितना होना चाहिए, लेकिन अमेरिकी NOAA (नेशनल ओशनिक एंड एटमोस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन) और यूरोपीय रासायनिक एजेंसी इसे 5 मिमी से छोटे कण के रूप में परिभाषित करती हैं।

शोध का विवरण:

1. **प्रयोग का तरीका:**
    - ○ शोधकर्ताओं ने चूहों को **फ्लोरेसेंट पॉलीस्टीरीन** के छोटे-छोटे टुकड़े खिलाए।
        - ▪ पॉलीस्टीरीन एक सामान्य प्रकार का प्लास्टिक है।
        - ▪ इसका उपयोग उपकरणों, पैकेजिंग और खिलौनों में किया जाता है।
2. **विशेषज्ञ माइक्रोस्कोप का उपयोग:**
    - ○ शोधकर्ताओं ने प्लास्टिक के प्रवाह का पता लगाने के लिए एक विशेष माइक्रोस्कोप का उपयोग किया।
        - ▪ माइक्रोस्कोप से चूहों के मस्तिष्क में प्लास्टिक के प्रवाह का अध्ययन किया गया।
        - ▪ इसके लिए चूहों की खोपड़ी में पारदर्शी खिड़की सर्जरी द्वारा स्थापित की गई थी।

अध्यान के निष्कर्ष:

1. **मस्तिष्क के सेरेब्रल कॉर्टेक्स में अवलोकन:**
    - ○ शोधकर्ताओं ने इमेजिंग तकनीकों का उपयोग करके मस्तिष्क में सूक्ष्मप्लास्टिक का पता लगाया।
    - ○ ये कण सेरेब्रल कॉर्टेक्स के रक्त वाहिकाओं में पाए गए, जो मस्तिष्क का वह क्षेत्र है जो जागरूकता, स्मृति और गति के लिए जिम्मेदार है।
2. **रक्त वाहिकाओं में अवरोध:**
    - ○ प्रतिरक्षा कोशिकाओं ने रक्त प्रवाह में सूक्ष्मप्लास्टिक का पता लगाया और उसे निगल लिया, जिसके कारण रक्त वाहिकाओं में अवरोध उत्पन्न हुआ।
    - ○ इस अवरोध के कारण रक्त का प्रवाह रुक गया, जिससे मस्तिष्क की कार्यप्रणाली में बाधा आई।
3. **संज्ञानात्मक और न्यूरो-बिहेवियरल प्रभाव:** चूहों में संज्ञानात्मक हानि और न्यूरो-बिहेवियरल असामान्यताएँ देखी गईं, जिसमें डिप्रेशन जैसे लक्षण शामिल थे।
4. **चूहों में वजन घटना:** चूहों में वजन घटने की समस्या देखी गई, संभवतः यह कम गति और भोजन व्यवहार में बदलाव के कारण था।
5. **सूक्ष्मप्लास्टिक का स्थायित्व:** सूक्ष्मप्लास्टिक शरीर से कम से कम एक सप्ताह तक साफ नहीं हुए, जिससे इनके प्रभावों का दीर्घकालिक प्रभाव पड़ा।

चूहों में निष्कर्ष और मानवों पर उनका प्रभाव:

1. शोधकर्ताओं ने इन परिणामों को सीधे मानवों पर लागू करने से बचने की चेतावनी दी है।
2. **मानव और चूहों के रक्त वाहिकाओं में अंतर:**
    - मानवों के परिसंचरण तंत्र बड़े होते हैं और रक्त वाहिकाओं का व्यास भी अलग होता है, जिससे अवरोध कम होने की संभावना रहती है।
    - उदाहरण के लिए, मानव कोरोनरी धमनियाँ लगभग 4 मिमी चौड़ी होती हैं, जबकि चूहों की रक्त वाहिकाएँ 100 माइक्रोमीटर से कम होती हैं।

कोरगा जनजाति / koraga tribes

संदर्भ:

कोरगा जनसंख्या में गिरावट ने उनकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक प्रथाओं को संरक्षित करने की चिंता बढ़ा दी है।

- हालिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दो दशकों पहले 20,000 सदस्यों वाली इस जनजाति की संख्या घटकर लगभग 16,000 रह गई है।

कोरगा जनजाति के बारे में:

1. **आवास:** कोरगा जनजाति मुख्य रूप से **कर्नाटक** के **दक्षिण कन्नड़** और **उडुपी** जिलों, और **केरल** के **कासरगोड** जिले में निवास करती है।
2. **भाषा:**
    - अधिकांश कोरगा लोग **तुलु** भाषा बोलते हैं।
    - इनके पास अपनी एक **अलग भाषा** भी है।
3. **कुल (कबीले):** कोरगा जनजाति **17 एक्सोगैमस कबीले** या **सेक्ट** में बटी हुई है, जिन्हें **"बाली"** कहा जाता है।
4. **आर्थव्यवस्था:**
    - पारंपरिक रूप से, कोरगा लोग **कृषि** करते हैं।
    - वे **वन उत्पादों** जैसे **बांस, रेशा** और **लता** पर निर्भर रहते हैं, जो **टोकरी निर्माण** के लिए इस्तेमाल होते हैं।
    - उनका जीवन **वन और प्राकृतिक संसाधनों** से जुड़ा हुआ है।
5. **संस्कृति और परंपराएं:**
    - वे **लोक नृत्य**, **रिवाज** और **गाने** करते हैं, जो देवताओं को खुश करने, अच्छे फसल के लिए और महामारियों को रोकने के लिए होते हैं।
    - उनके प्रमुख **संगीत वाद्ययंत्र** हैं:
        - **ढोलू** (ड्रम)
        - **वूटे** (बांसुरी)
6. **सामाजिक संरचना:**
    - कोरगा जनजाति में **मातृवंशी प्रणाली** का पालन होता है, जिसमें वंशावली महिला रेखा के माध्यम से तय की जाती है।
    - हालांकि, विवाह के बाद **पितृवर्ती निवास** की परंपरा है।
    - **संपत्ति का विरासत** बेटों और बेटियों में समान रूप से बंटता है।
7. **धार्मिक प्रथाएं:**
    - वे विभिन्न **भूत देवताओं** की पूजा करते हैं।
    - पूजा की प्रक्रिया में **भूत कोला** जैसे रिवाजों का पालन करते हैं, जो **पंजरली, कल्लूर्ति, कोराथि** और **गुलीगा** जैसे आत्माओं की पूजा से संबंधित लोक नृत्य होते हैं।

विधानिक अधिकार और सामाजिक समस्याएं:

- कोरगा जनजाति **अछूतता** का शिकार है, जबकि संविधान द्वारा इस प्रकार की प्रथाओं के खिलाफ सुरक्षा प्रदान की गई है।
- **सामाजिक भेदभाव** का निरंतर अस्तित्व, खासकर **अजालू** जैसी कस्टमों के माध्यम से, समुदाय के **मार्जिनलाइजेशन** (सामाजिक बहिष्करण) को दर्शाता है।
- राजनीतिक नेताओं ने **ऐतिहासिक अन्यायों** के लिए **मुआवजे** की मांग की है और **प्रो-tribal कानूनों** के कार्यान्वयन की अपील की है ताकि उनके अधिकारों और गरिमा की रक्षा की जा सके।

सरकारी पहल:

- कोरगा जनजाति द्वारा सामना की जा रही समस्याओं के समाधान के लिए, **केरल सरकार** ने **पोषणयुक्त भोजन** प्रदान करने के लिए कार्यक्रम शुरु किए हैं।
- **2024 के अंत** में, **कासरगोड जिले** में 530 कोरगा परिवारों को चिन्हित कर **भूमि प्रदान की गई**, जो उनके जीवन स्तर में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।
- हालांकि, समुदाय अपनी **अधिकारों की पहचान** और **व्यापक समर्थन** की आवश्यकता को लेकर लगातार मांग कर रहा है।

संस्कृति और अर्थव्यवस्था:

अर्थव्यवस्था:

- कोरगा जनजाति **कृषक** हैं और अपनी आजीविका के लिए **वन उत्पादों** पर निर्भर रहते हैं।
- वे **पारंपरिक शिल्प** जैसे **टोकरी बनाने** का काम करते हैं।

संस्कृति:

- कोरगा लोग सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेते हैं, जैसे कि **लोक नृत्य** और **रिवाज**।
- उनका **मातृवंशी परिवार संरचना** और **बाली** नामक विशिष्ट कबीला प्रणाली उनकी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को दर्शाती है।
- उनके रिवाजों और **सामुदायिक बैठकों** में **ढोल** और पारंपरिक संगीत का महत्वपूर्ण स्थान है।

Apni Pathshala एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

पेमेंट सिस्टम रिपोर्ट / Payment System Reports

संदर्भ:

भारतीय रिज़र्व बैंक ने *पेमेंट सिस्टम रिपोर्ट, दिसम्बर 2024* प्रकाशित की है। यह रिपोर्ट भारत में विभिन्न भुगतान प्रणालियों के माध्यम से किए गए भुगतान लेन-देन के रुझानों का विश्लेषण करती है, जो पिछले पाँच कैलेंडर वर्षों (CY-2024 तक) के दौरान हुए।

डिजिटल भुगतान पर मुख्य निष्कर्ष:

1. **डिजिटल भुगतान लेन-देन:**
   - 2013 में, **222 करोड़ डिजिटल लेन-देन** हुए, जिनकी कुल कीमत **₹772 लाख करोड़** थी।
   - **2024 तक**, लेन-देन की संख्या में **94 गुना वृद्धि** और मूल्य में **3.5 गुना वृद्धि** हुई।
2. **यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (UPI):**
   - UPI लेन-देन की मात्रा में पिछले पांच वर्षों में **74.03% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR)** देखी गई।
   - UPI लेन-देन के मूल्य में **68.14% की CAGR** दर्ज की गई।
3. **क्रेडिट और डेबिट कार्ड:**
   - पिछले पांच वर्षों में **क्रेडिट कार्ड की संख्या दोगुनी से अधिक** हो गई है।
   - **डेबिट कार्ड की संख्या** पिछले पांच वर्षों में **स्थिर** रही है।
4. **वैश्विक रुझान:**
   - भारत ने **प्रोजेक्ट नेक्सस** से जुड़कर **चार ASEAN देशों** (मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर और थाईलैंड) के **फास्ट पेमेंट सिस्टम (FPS)** को आपस में जोड़ा।
   - **प्रोजेक्ट नेक्सस** (जिसकी अवधारणा **बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स - BIS** द्वारा की गई है) घरेलू FPS को जोड़कर **तत्काल सीमा-पार खुदरा भुगतान** को सक्षम बनाता है।

Payment System Infrastructures (in lakh)

	Jun-24	Dec-24
Credit Cards	1038.13	1080.56
Debit Cards	9624.24	9909.48
PPI Wallets	11375.61	8904.25
PPI Cards	3675.69	4381.40
Bank owned ATMs and CRMs	2.21	2.19
White Label ATMs	0.35	0.36
Micro ATMs	15.18	14.67
PoS Terminals	89.67	100.01
Bharat QR	61.64	63.83
UPI QR	5769.48	6334.39

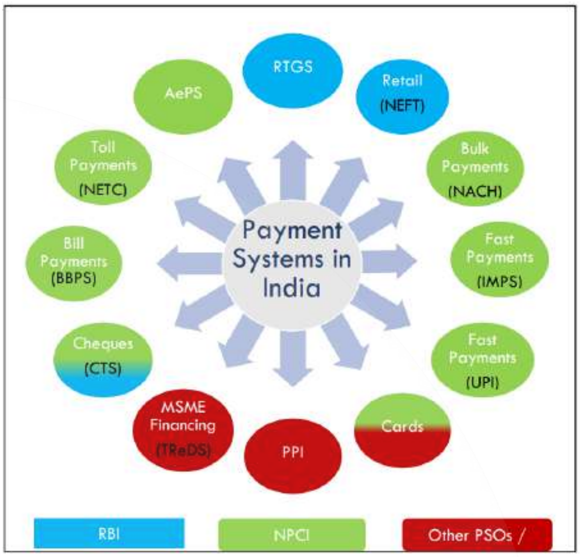
Payment Systems in India
RTGS
Retail (NEFT)
Bulk Payments (NACH)
Fast Payments (IMPS)
Fast Payments (UPI)
Cards
PPI
MSME Financing (TReDS)
Cheques (CTS)
Bill Payments (BBPS)
Toll Payments (NETC)
AePS
RBI
NPCI
Other PSOs /

भारत में भुगतान प्रणाली:

परिभाषा: भुगतान प्रणाली वे तंत्र हैं जो **मौद्रिक और वित्तीय लेन-देन के निपटान और समाशोधन** को सुगम बनाने के लिए स्थापित किए गए हैं।

भारत में भुगतान प्रणाली का नियमन:

- **पेमेंट्स एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007 (PSS एक्ट):**
  - यह **RBI** को भारत में **भुगतान प्रणाली को विनियमित और पर्यवेक्षण** करने का अधिकार देता है।
  - RBI को **लाइसेंस/अनुमोदन** जारी करने का अधिकार प्रदान करता है, जैसे:
    - **क्लियरिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड।**
    - **एनपीसीआई (नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया)।**
    - **कार्ड भुगतान नेटवर्क और एटीएम नेटवर्क।**
- **भुगतान और निपटान प्रणाली के नियमन और पर्यवेक्षण के लिए बोर्ड (BPSS):**
  - यह RBI द्वारा PSS एक्ट के तहत स्थापित **भुगतान प्रणाली पर सर्वोच्च नीति-निर्धारण निकाय** है।
  - **अध्यक्ष:** RBI गवर्नर।
  - **उपाध्यक्ष:** भुगतान और निपटान प्रणाली विभाग (DPSS) के प्रभारी डिप्टी गवर्नर।

"GET READY FOR A WILD RIDE OF KNOWLEDGE !"
SUBSCRIBE OUR NEW YOUTUBE CHANNEL
ANKIT AVASTHI
Video will be upload soon !
ANKIT AVASTHI

RRB NTPC
TEST SERIES

- 100+ Mock Test
- 78 Sectional Test
- 40+ years PYPs
- 60+ Current affairs

TEST

Only
99 Per Year
Buy Now

GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर | Ankit Inspires India

₹ Only 1999

Latest Edition
Hand Written Notes
Pathshala
भारतीय भूगोल
भौतिक तथा विश्व भूगोल
भारत तथा विश्व की अर्थव्यवस्था
भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था
प्राचीन तथा मध्यकालीन भारत का इतिहास, कला एवं संस्कृति
आधुनिक भारत एवं विश्व का इतिहास
MISSION I'M Possible
Ankit Kumar Avasthi

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

☎ 7878158882

APNI PATHSHALA

UPPSC,RO/ARO,BPSC,UP TEST SERIES

UPPSC
(TEST SERIES)
- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

299/- YEAR

RO/ARO
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

BPSC
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299 YEAR

SSC (TEST SERIES)
- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

RPF (TEST SERIES)
- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

Download | Application

Apni Pathshala

✆ 7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit

AnkitAvasthiSir kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

NCERT COMPLETE

FOUNDATION BATCH

FOR ALL

- POLITY
- ECONOMICS
- HISTORY
- GEOGRAPHY

DAILY LIVE CLASSES

WEEKLY TEST

CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)

LIVE DOUBT SESSIONS

DAILY PRACTISE PROBLEM

Rs 4999/-

Apni Pathshala ☎ 7878158882 | Apni.Pathshala | kaankit | AnkitAvasthiSir | Avasthiankit

ONLY

POLITY

1499 RS

- DAILY LIVE CLASSES
- , WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTISE PROBLEM

Apni Pathshala ☎ 7878158882 Apni.Pathshala kaankit AnkitAvasthiSir Avasthiankit

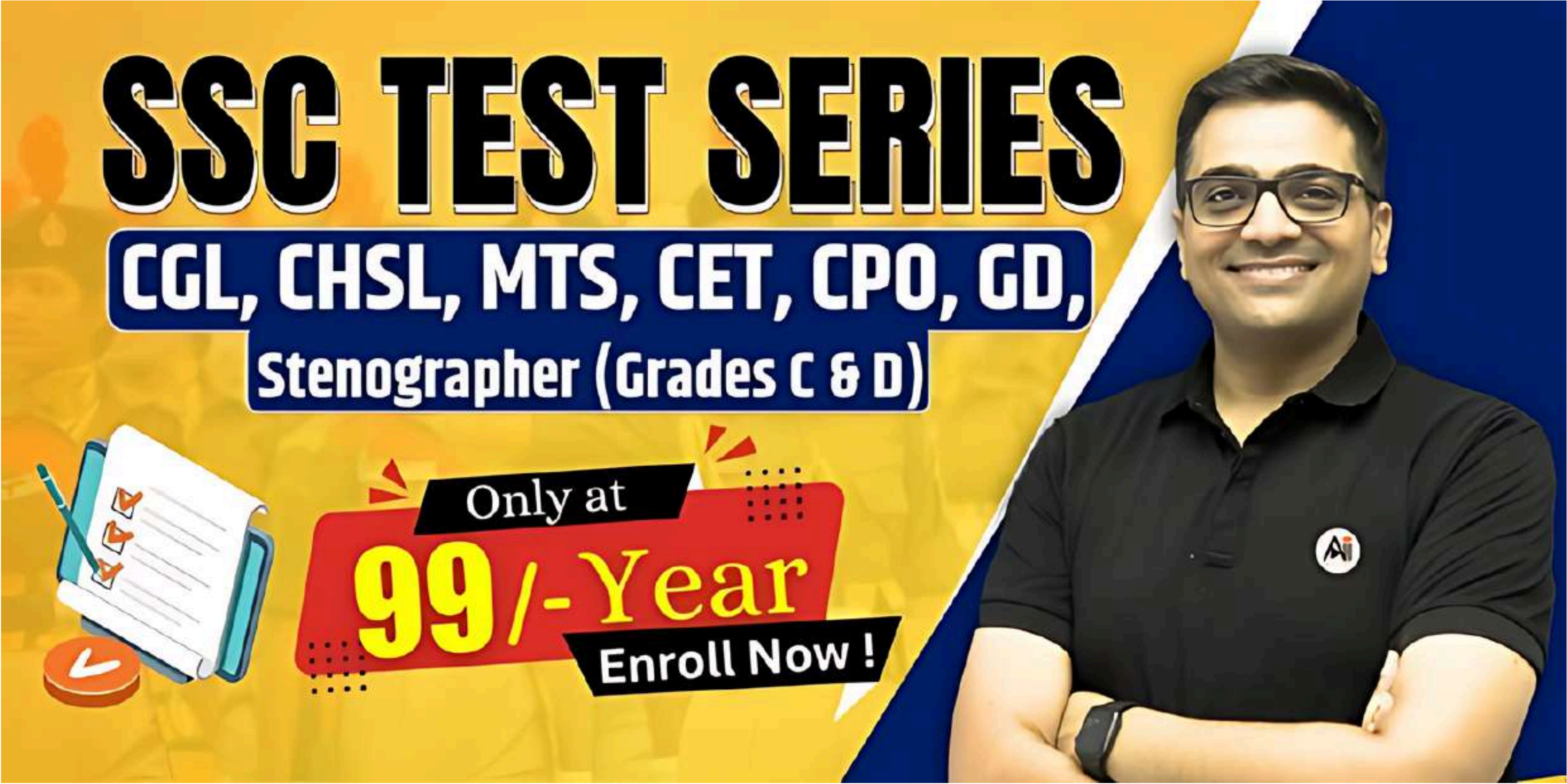

SSC TEST SERIES

CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,

Stenographer (Grades C & D)

Only at

99/-Year

Enroll Now !